सांध्य दैनिक 4PM

आपका खाना आपका इलाज होना चाहिए और आपका इलाज आपका खाना होना चाहिए।
-हिप्पोक्रेटीस

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 8 • अंकः 289 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, बुधवार, 30 नवम्बर, 2022

केन्द्र सरकार के कामों से केजरीवाल के... 7 | आजम खां पड़े अकेले! अपने भी... 3 | तब मीडिया कहां थी जब मोदी ने... 2

प्रणव रॉय भी हुए बाहर! देश की मीडिया को क्यों काबू में करना चाहते हैं अंबानी और अडानी

संजय शर्मा

लखनऊ। अडानी द्वारा एनडीटीवी को खरीदे जाने में भले ही सारी कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया हो मगर देश के सामने एक बड़ा सवाल यह खड़ा है कि आखिर एनडीटीवी को खरीदने में अडानी का क्या हित है। सवाल सिर्फ अडानी का नहीं अंबानी का भी है और सवाल इन दोनों का भी नहीं, देश के लोकतंत्र का है। आखिर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर पूंजीवादियों का कब्जा क्या देश को एक ऐसी अंधेरी सुरंग की तरफ लेकर जा रहा है जिसका दूसरा सिरा कहीं नजर नहीं आता। देश में मीडिया वैसे भी गोदी मीडिया में बदल गई है और अब एनडीटीवी का बिक जाना इस ताबूत की आखिरी कील है।

सांध्य दैनिक 4PM एक्सक्लूसिव

देश में जब अंबानी ने मीडिया को अपने कब्जे में लेना शुरू किया तभी देश को समझ आ गया था कि पूंजीपति नहीं चाहते कि उनका घिनौना सच देश के सामने आए। इस सच को छिपाने के लिए एक ही सूरत है कि देश की मीडिया पर कब्जा कर लो। जिससे 130 करोड़ की जनता तक कभी सच न पहुंचे। हां और वो कभी जान भी न पाएं कि आखिर देश की सारी संपदा पर सिर्फ 7 प्रतिशत लोगों का कब्जा है। उनको ये दिखाया जाए कि भारत विश्वगुरु बनने के कगार पर है और इसी सच के साथ देश को एक ऐसे मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया जाए जो सिर्फ नफरत की भाषा समझता है और सिर्फ नफरत की भाषा बोलता है। इसी क्रम में सबसे पहले अंबानी ने शुरुआत की और देश के बड़े-बड़े टीवी चैनल खरीदने शुरू किये और उसमें बैठे देवगन, अमन चोपड़ा जैसे पत्रकारों ने देश में आग लगाने का काम शुरू किया।

इस दौर में एनडीटीवी देश के एक ऐसे चैनल के रूप में सामने आया जो अपनी सच की लड़ाई लड़ रहा था। रवीश के प्राइम टाइम को दुनिया भर में देखा जा रहा था । जब एनडीटीवी को रोका नहीं जा सका तो फिर उसे खरीदने की जिम्मेदारी अडानी को दी गई और फिर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर एक कुठाराघात होते हुए हम सब देख रहे हैं।

अडानी ने अंबानी से जुटाया था कर्ज देने के लिए पैसा

एनडीटीवी के मालिक प्रणव राय के लिए करीब 14 साल पहले लिया गया कर्ज गले की फांस बन गया। इस कर्ज से कंपनी कभी छुटकारा नहीं पा सकी। 2009 और 2010 में वीसीपीएल ने प्रणव रॉय के स्वामित्व वाली आरआरपीआर होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड को 403.85 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त कर्ज दिया था। इस कर्ज के बदले आरआरपीआर ने वीसीपीएल को वारंट जारी किया। जिसने वीसीपीएल को कर्ज को आरआरपीआर में 99.9 प्रतिशत हिस्सेदारी में बदल देने का अधिकार दिया। अडानी समूह उस समय इस पूरे मामले में कहीं भी नहीं था। आरआरपीआर को कर्ज देने के लिए वीसीपीएल ने मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिलायंस स्ट्रैटेजिक वेंचर्स से पैसा जुटाया था।

आखिर एनडीटीवी को खरीदने में अंबानी-अडानी का क्या हित

“एनडीटीवी का अडानी के हाथों में आना इस बात का संकेत है कि सत्ता के चरणों के टोले में एक और भोंपू शामिल हो जाएगा। दरअसल वर्तमान सत्ता और सत्ताधारी असहमति, आलोचना की एक भी आवाज को स्वतंत्र नहीं रहने देना चाहते। येन-केन-प्रकारेण ऐसी हर आवाज को या तो धन-बल से खरीदा जा रहा है या सत्ता के औजारों से उनकी बोलती बंद की जा रही है। यह एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिये अच्छे संकेत नहीं हैं।

डॉ. राकेश पाठक, वरिष्ठ पत्रकार

“एक पत्रकार से निपटने के लिए पूरा चैनल खरीद डाला। जब संस्थाएं ही ढह रही हों -ढहाई जा रही हो-एक चैनल के ढहने-ढहाने पर क्या रोना।

ओम थानवी, वरिष्ठ पत्रकार

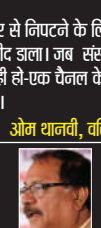

“एनडीटीवी अस्त हो गया। संस्था के नाम पर भले ही एनडीटीवी मौजूद रहे, लेकिन पत्रकारिता के क्षेत्र में अनेक सुनहरे अध्याय लिखने वाले इस संस्थान का विलोप हो रहा है । हम प्रणव रॉय और राधिका रॉय की पीड़ा समझ सकते हैं ।

राजेश बादल, वरिष्ठ पत्रकार

“आखरी ‘स्तंभ’ भी गिरा, चलो अब सब ‘गोदी’ हो गए।

आचार्य प्रमोद कृष्णम, कांग्रेस

“एनडीटीवी से प्रणव रॉय का इस्तीफा। साथ ही एक युग का अंत। बचपन से द वर्ल्ड दिस वीक और चुनावों में उनका विश्लेषण देख कर पूरी पीढ़ी बड़ी हुई।

नरेंद्र नाथ मिश्रा, लेखक

“NDTV. पूर्ण विराम

रुबिका लियाकत, पत्रकार

“RIP एनडीटीवी? जहरीली मीडिया स्पेस में ताजी हवा की सांस के रूप में आपका होना अच्छा था।

प्रशांत भूषण, वरिष्ठ अधिवक्ता, सुप्रीमकोर्ट

“NDTV में बदलाव पर किसी दुःख या अफसोस की आवश्यकता नहीं है। आज टेलीविजन न्यूज मीडिया के साथ सोशल मीडिया भी काफी सक्रिय है और सोशल मीडिया आज न्यूज मीडिया की किसी भी कमी को पूरा करने में समर्थ है।

दिनेश के वोहरा, राजनीतिक विश्लेषक

सच की लड़ाई लड़ रहा था एनडीटीवी

अडानी समूह की हुई अचानक एंट्री से बिगड़ी बात

23 अगस्त को अडानी समूह की सहायक कंपनी एएमजी मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड ने वीसीपीएल को 113.75 करोड़ रुपये में खरीद लिया। तब तक एनडीटीवी ने वीसीपीएल का कर्ज नहीं चुकाया था। एनडीटीवी लिमिटेड ने तब स्टॉक एक्सचेंजों से कहा था कि एनडीटीवी या इसके संस्थापक-प्रमोटरों के साथ किसी भी चर्चा के बिना सीपीएल नोटिस दिया गया था। एनडीटीवी में रॉय परिवार की 32.36 प्रतिशत हिस्सेदारी है। प्रणय रॉय की हिस्सेदारी 15.94 प्रतिशत है, जबकि राधिका रॉय की 16.32 प्रतिशत हिस्सेदारी है। अगर अडानी अपने ओपन ऑफर से 26 प्रतिशत हिस्सेदारी और खरीद लेता है, तो एनडीटीवी में उसकी कुल हिस्सेदारी 55.18 प्रतिशत हो जाएगी। जिससे वह एनडीटीवी के प्रबंधन पर कब्जा हासिल कर लेगा।

खरगे 'रावण' विवाद के बाद बोलीं रेणुका चौधरी

तब मीडिया कहां थी जब मोदी ने मेरी तुलना शूर्पणखा से की थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा पीएम मोदी की तुलना रावण के किए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा, खरगे व पूरी कांग्रेस पर हमलावर है। इस बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद रेणुका चौधरी ने कहा है कि पीएम मोदी ने एक बार उनकी तुलना शूर्पणखा से की थी, तब मीडिया कहां थी? रेणुका चौधरी के इस ट्वीट के बाद 2018 में पीएम के बयान की कई वीडियो क्लिप वायरल होने लगा है।

दरअसल, गुजरात में एक जनसभा को संबोधित करते वक्त खरगे ने पीएम मोदी पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री अपना चेहरा दिखाकर लोगों से मतदान करने के लिए कह रहे हैं, चाहे वह नगरपालिका चुनाव हों या विधानसभा या संसद। क्या आप (नरेंद्र मोदी) रावण की तरह 100 सिर वाले हैं।

भाजपा ने किया पलटवार

खरगे के बयान के बाद भाजपा ने इस पर पलटवार किया है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि यह पूरे गुजरात की जनता का अपमान है। उन्होंने लोगों से बदला लेने के लिए माटी के लाल के लिए सौ फीसदी मतदान करने का आग्रह किया। पात्रा ने आरोप लगाया कि खरगे कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के विचार रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी पर निजी हमले 2007 के गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान सोनिया गांधी के मौत का सौदागर वाले बयान से शुरू हुए थे। भाजपा प्रवक्ता ने आगे कहा कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री के पद को बदनाम किया है। मोदी को अब दुनियाभार के देशों द्वारा वैश्विक नेता के रूप में जाना जाता है। पात्रा ने कहा, कांग्रेस नेता मधुसूदन मिस्त्री ने हाल ही में कहा था कि मोदी को उनकी औकात दिखाई जाएगी।

सोशल मीडिया पर यूजर्स ने मांगा सबूत

रेणुका चौधरी के ट्वीट के बाद कई सोशल मीडिया यूजर्स उनके पक्ष व विपक्ष में उतर आए हैं। कई यूजर्स ने कांग्रेस नेता से प्रधानमंत्री के शूर्पणखा वाले बयान की वीडियो मांगी, तो कई ने यह वीडियो पोस्ट कर रेणुका चौधरी को ही घेरने की कोशिश की। दरअसल, यह वीडियो 2018 में संसद सत्र के दौरान है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, सभापति जी.. आप रेणुका चौधरी जी को मत रोकिए। रामायण सीरियल के बाद ऐसी हंसी सुनने का आज मौका मिला है।

5 दिसंबर को हो सकती है लालू की किडनी ट्रांसप्लांट

» कुढ़नी में प्रचार के बाद सिंगापुर जाएंगे तेजस्वी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का किडनी ट्रांसप्लांट जल्द होने की संभावना है। ऐसी चर्चा है कि अगले हफ्ते की शुरुआत में प्रत्यारोपण हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, 5 दिसंबर के आस-पास ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया शुरू जाएगी। आरजेडी मुखिया, पत्नी राबड़ी देवी और बेटी मीसा भारती के साथ सिंगापुर पहुंच चुके हैं।

लालू यादव किडनी ट्रांसप्लांट के लिए ही सिंगापुर गए हैं। पिछले महीने भी आरजेडी मुखिया यहां पहुंचे थे, उस समय वो टेस्ट और जांच के बाद वापस लौट आए थे। परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया कि किडनी ट्रांसप्लांट से पहले लालू यादव का सिंगापुर के एक अस्पताल में टेस्ट किया जा रहा। ये भी बताया गया कि प्रत्यारोपण की प्रक्रिया 5 दिसंबर को हो सकता है। सूत्र ने ये भी कहा कि अगर सभी रिपोर्ट ठीक रहती हैं तो ये उम्मीद है कि 5 दिसंबर के आसपास किडनी ट्रांसप्लांट किया जाएगा। कहा ये भी जा रहा कि लालू यादव के छोटे बेटे और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद भी सिंगापुर जा सकते हैं। आरजेडी नेता कुढ़नी उपचुनाव को लेकर एक चुनावी रैली को संबोधित करने वाले हैं, इसके बाद ही वो सिंगापुर के लिए रवाना होने की उम्मीद है।

राजस्थान की सियासत में गुटबाजी

वेणुगोपाल की गहलोत-पायलट को चेतावनी

» दोनों नेताओं से बातचीत के बाद फिलहाल थमी गुटबाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजस्थान। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट की गुटबाजी पर फिलहाल विराम लग गया है। माना जा रहा है कि दोनों नेता और उनके गुट के विधायक अब एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी नहीं करेंगे। इस मुद्दे को सुलझाने जयपुर आए कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी दोनों नेताओं को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने पार्टी नेताओं से कहा कि अगर अब किसी ने एक भी शब्द बोला तो आज वह जहां है, कल वहां नहीं रहेंगे। आइए, अब केसी वेणुगोपाल की बैठक के बारे में विस्तार से जानते हैं, जिसने गहलोत-पायलट को एक बार फिर साथ ला दिया।

दरअसल, 24 नवंबर को गहलोत ने पायलट को गद्दार कहा था। 25 नवंबर को केसी वेणुगोपाल के राजस्थान दौरे की घोषणा हुई। कहा गया कि वह भारत जोड़ो यात्रा को लेकर बनाई गई कमेटी की बैठक लेने 29 नवंबर को जयपुर आएंगे। इसके बाद से उनके दौरे पर सभी की नजर थी। मंगलवार को जयपुर पहुंचे संगठन महासचिव केसी वेणगोपाल करीब शाम चार बजे कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में बैठक करने पहुंचे। इस दौरान वेणुगोपाल

मीडिया के सामने दिखाई एकजुटता

बैठक के बाद वेणुगोपाल के सामने ही गहलोत और पायलट ने एक साथ मीडिया से बात की। सीएम गहलोत ने कहा कि राजस्थान में सब एकजुट हैं। गहलोत और पायलट असेट्स (बहुमूल्य) ही हैं। राजस्थान में सरकार रिपीट होगी। वहीं, सचिन पायलट ने कहा कि राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ों यात्रा का राजस्थान में उत्साह और ऊर्जा के साथ स्वागत किया जाएगा। यह सभी वर्गों के लोगों की भागीदारी के साथ एक ऐतिहासिक यात्रा होगी। हम सब मिलकर पार्टी को मजबूत करेंगे, हमें कोई उकसा नहीं सकता है।

जरासंघ के स्मारक के बहाने अति पिछड़ों को जुटाने में लगे नीतीश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिहार। बिहार के राजगीर में जरासंघ का वो अखाड़ा है जहां उनके और भीम के बीच 13 दिन तक मल्ल युद्ध चला था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जरासंघ स्मारक को बनवाने का ऐलान किया। नालंदा के अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में इसकी घोषणा करते समय उन्होंने कहा, ऐसा इसलिए किया गया है ताकि नई पीढ़ी मगध सम्राट जरासंघ को जान और समझ सके। नालंदा के राजगीर में महाभारत काल के मगध सम्राट जरासंघ का ऐतिहासिक अखाड़ा है।

बताया जाता है कि यह वही अखाड़ा है जहां पर जरासंघ और भीम के बीच 13 दिन तक मल्ल युद्ध चला था। 14वें दिन जरासंघ इस युद्ध में हार गए थे। कहा जाता है कि यहां की मिट्टी में दूध, हल्दी, चंदन और घी मिलाया जाता था। योद्धा जब जहां युद्ध के लिए उतरते थे तो उसी मिट्टी को शरीर में लगातार मल्ल युद्ध का आगाज करते थे। नीतीश कुमार की घोषणा के राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं।

कौन था जरासंघ?

कहा जाता है कि जरासंघ राजा वृहद्रथ का पुत्र था। राजा वृहद्रथ के पहले कोई पुत्र नहीं थे। उन्होंने एक ऋषि के सामने अपनी समस्या बताई। ऋषि ने उन्हें एक फल देकर उसे रानी को खिलाने को कहा। राजा ने उस फल के दो टुकड़े किए और एक-एक हिस्सा दोनों रानियों को खिला दिया। रानी गर्भवती हुईं। जब दोनों के बच्चा हुआ तो वो बंटा हुआ और दो टुकड़ों में हुआ। घबराई रानियों ने उसे बाहर फेंक दिया। दोनों टुकड़े जरा नाम की एक मायावी राक्षसी को मिले और उसने दोनों टुकड़ों को जोड़ा तो एक बच्चे में तब्दील हो गया। उसके रोने की आवाज सुनकर रानी बाहर आईं और उसे उठाकर नाम दिया जरासंघ। महाभारत काल में जब भीम और जरासंघ के बीच युद्ध हुआ तो श्रीकृष्ण ने उन्हें मारने की युक्ति भीम को बताई थी। इस तरह जरासंघ का वध हुआ था।

नीतीश क्यों बनवा रहे हैं जरासंघ का स्मारक?

जरासंघ के स्मारक को बनवाने के पीछे राजनीतिक मायने भी हैं। नीतीश अपने इस दांव से अति पिछड़ा वोट बैंक खासकर चंद्रवंशी (कहार) को महागठबंधन से जोड़ना चाहते हैं। यह ऐसा वोट बैंक है जिनका पीएम मोदी की तरफ झुकाव है। नीतीश की यह तैयारी बिहार की राजनीति में बड़े वोट बैंक कहे जाने वाले चंद्रवंशियों के लिए की जा रही है। अगर नीतीश अपनी इस रणनीति में सफल होते हैं तो भाजपा को इसका नुकसान हो सकता है। भाजपा से अलग होने के बाद नीतीश कुमार ने जरासंघ को पूर्वज मानने वाले चंद्रवंशी समाज को जोड़ने की कोशिश में जुटे थे।

बिहार में इनका कितना प्रभाव?

चंद्रवंशियों का मध्य बिहार की राजनीति में खास दखल है। वोट बैंक के नजरिए से देखें तो इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बिहार के कई जिलों जैसे- नालंदा, औरंगाबाद, गया, नवादा, शाहबाद, अरवल में इनका खास प्रभाव है। नीतीश कुमार जरासंघ के बहाने अतिपिछड़ा जातियों को जोड़ने की कोशिश में जुटे हैं। बिहार में भले ही विधान सभा 2025 के चुनाव में अभी समय है, लेकिन 2024 में होने वाले लोकसभा और नगर निकाय के चुनाव के लिए जमीन तैयार की जा रही है। नीतीश ने स्मारक के बहाने चुनावी रणनीति को अमल में लाने की शुरुआत कर दी है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

शुभेंदु अपनी पुस्तक '1956' के जरिए ममता की हार को भुनाने में जुटे

» पश्चिम बंगाल की राजनीति का जिक्र है पुस्तक में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगाल। पश्चिम बंगाल के विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने अपनी पुस्तक '1956' का विमोचन किया। उन्होंने बताया कि ममता बनर्जी पिछले विधानसभा चुनाव में उनके हाथों 1956 वोट से हार गयी थीं, इसलिए इस किताब का नाम 1956 रखा गया है।

उन्होंने अपनी इस किताब का नाम '1956' दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर विगत डेढ़ साल के शासन के दौरान उन पर (शुभेंदु) किये गये मामलों को लेकर इस पुस्तक को जारी किया है। इसमें शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ पांच मई 2021 से इस वर्ष 27 नवंबर तक के किये गये मामलों का जिक्र है। उन्होंने इस किताब के जरिये राज्य सरकार पर हमला बोला है। श्री अधिकारी ने कहा कि मुझे 10 से ज्यादा जगहों पर जाने से रोका गया है। मैंने उनकी तस्वीरें पुस्तक में दी है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजेंगे किताब

उन्होंने कहा कि इस किताब की प्रतियां वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री को भी भेजेंगे। उन सभी राज्यों में विपक्ष के नेता को भी यह किताब भेजी जायेगी, जहां एनडीए की विरोधी पार्टी शासन कर रही है। इसके अलावा देश भर के भाजपा के सांसदों को किताब भेजी जायेगी। शुभेंदु ने कहा मुझमें इतनी औकात नहीं कि मैं बड़ी-बड़ी महंगी किताबें लिख सकूं। मेरी सर्वोत्तम क्षमता के अनुसार यह पुस्तक तीन भाषाओं हिंदी, अंग्रेजी और बांग्ला में प्रकाशित हुई है। उन्होंने बताया कि ममता बनर्जी पिछले विधानसभा चुनाव में उनके हाथों 1956 वोट से हार गयी थीं, इसलिए इस किताब का नाम 1956 रखा गया है।

आजम खां पड़े अकेले! अपने भी अब छोड़ रहे हैं साथ, इस बार ढह जाएगा 40 साल पुराना किला!

- 5 दिसंबर को होने वाला रामपुर विधान सभा उप चुनाव उनके रसूख और राजनीतिक विरासत के लिए बेहद अहम
- रामपुर लोक सभा सीट जीतकर भाजपा दे चुकी है झटका
- हेट स्पीच मामले में आजम खां की जा चुकी है विधानसभा सदस्यता

चेतन गुप्ता

लखनऊ। पहले रामपुर लोक सभा सीट हाथ से फिसली, उसके बाद विधायकी भी गई, ऐसे में सपा के दिग्गज नेता आजम खां खासे निराश हैं। अब फसाहत अली का समाजवादी पार्टी छोड़ना आजम खां के लिए बड़ा झटका है। उनका और आजम खां का करीब 17 साल पुराना नाता रहा है। उनकी वफादारी ऐसी थी कि जब आजम खां जेल में थे तो कई बार वह अखिलेश यादव को भी निशाने पर ले लेते थे।

बीजेपी को लगता है, रामपुर में रहना है तो आजम-आजम कहना है का जुमला अब बदल रहा है। पहले तो आजम खां की विधान सभा सदस्यता गई, फिर वोटर लिस्ट से नाम कटा और अब उनके करीबी उनसे दूरी बना रहे हैं। आजम खां के बेहद करीबी और उनके मीडिया प्रभारी फसाहत अली खान उर्फ शानू ने उनका साथ छोड़ भाजपा ज्वॉइन कर ली है। उनकी वफादारी ऐसी थी कि जब आजम खां जेल में थे तो कई बार वह अखिलेश यादव को भी निशाने पर ले लेते थे। लेकिन अब वह भाजपा में चले गए हैं, ऐसे में 5 दिसंबर को होने वाला उप चुनाव आजम खां के रसूख और राजनीतिक विरासत के लिए बेहद अहम साबित होगा।

फसाहत अली और आजम खां का करीब 17 साल पुराना नाता रहा है। उनकी वफादारी ऐसी थी कि जब आजम खां जेल में थे तो कई बार वह अखिलेश यादव को भी निशाने पर ले चुके थे।

फसाहत अली खान ने कहा था हम सियासी यतीम हो गए!

आजम खां और फसाहत अली खान का रिश्ता किस तरह का था, इसे फसाहत के उस बयान से समझा जा सकता है, जब उन्होंने अपने ही पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पर सियासी हमला बोल दिया था। उन्होंने रामपुर में एक सभा में कहा था कि वाह राष्ट्रीय अध्यक्ष जी वाह, हमने आपको और आपके वालिद साहब (मुलायम सिंह) को चार बार प्रदेश का मुख्यमंत्री बनवाया। आप इतना नहीं कर सकते थे कि आजम खां साहब को नेता विपक्ष बना देते? वह यहीं नहीं रूके, बोले आजम खां साहब के जेल से बाहर नहीं आने की वजह से हम लोग सियासी रूप से यतीम हो गए हैं। जाहिर है इस तरह की करीबी अब दूरी बन गई है। जिसका भाजपा फायदा उठाना चाहेगी। फसाहत के पहले घनश्याम सिंह लोधी भी आजम खां का दामन छोड़ भाजपा में शामिल हो चुके हैं और उन्होंने उप चुनाव में रामपुर लोकसभा सीट पर आजम खां के करीबी मोहम्मद आसिम रजा को हरा कर बड़ा झटका दिया था। इसी के बाद से आजम का कद लगातार घटता गया।

80 से ज्यादा मुकदमें दर्ज

आजम खां के खिलाफ जो 80 से ज्यादा मुकदमें दर्ज हैं, उनमें से ज्यादातर मामलों में आकाश सक्सेना का हाथ रहा है। वह इस बार रामपुर सदर से हो रहे विधानसभा उप चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार हैं और उनके खिलाफ सपा ने एक बार फिर मोहम्मद आसिम रजा को उम्मीदवार बनाया है। अगर इस बार भी आसिम रजा की हार होती है, तो निश्चित है कि आजम खां की 40 साल पुरानी राजनीतिक विरासत, सबसे बुरे दौर में पहुंच चुकी होगी।

लोक सभा में हार आजम के लिए बड़ा झटका

80 की दशक से रामपुर की सियायत में आजम खां फैक्टर रहे हैं और उसके बाद से उनका रसूख लगातार बढ़ता गया। वह 2012-2017 के दौरान समाजवादी सरकार में अपने सियासी चरम पर पहुंच गया था। लेकिन उत्तर प्रदेश में भाजपा के सत्ता में आने के बाद उनकी राजनीतिक कद लगातार घटने लगा। उन पर 87 केस दर्ज हो चुके हैं। जिसमें से एक मामले में उनकी विधान सभा सदस्यता भी चली गई और उसके बाद जून में हुए लोक सभा उप चुनाव में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार मोहम्मद आसिम रजा, भाजपा के उम्मीदवार घनश्याम सिंह लोधी से 42 हजार से ज्यादा वोटों के बड़े अंतर से चुनाव हार गए हैं। आसिम रजा आजम खां के बेहद करीबी थे।

रामविलास की विरासत: बिहार में चाचा-भतीजे की राहें अलग लेकिन मंजिल एक

- बीजेपी चाहती है पशुपति और चिराग अलग-अलग ही रहें
- चिराग के अलग रहने से बीजेपी के लिए आसान होगा जेडीयू को परेशान करना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजनीतिक गलियारों की बात करें तो चिराग और पशुपति पारस की पार्टी एक होकर एनडीए का हिस्सा बनी रहेगी, गलत साबित हुआ। राजनीति की जरूरत पर तो यह होता दिख भी नहीं रहा था। लेकिन कयास के अपने कुछ गणित होते हैं। बहरहाल, चिराग गुट और पशपति पारस गुट ने दलित नेता रामविलास पासवान की जयंती अलग-अलग मना कर संभावनाओं के सारे बादल को अलविदा कह डाला और पशुपति पारस ने तो पार्टी के मर्जर को सीधे नकार भी दिया।

राजनीतिक गलियारों में एक बात तो यह तय हो गई चाचा पशुपति पारस और भतीजा चिराग रहेंगे तो एनडीए के प्रभाव में ही। क्योंकि दोनों दलों का एटीट्यूड एंटी आरजेडी और एंटी कांग्रेस है। चिराग पासवान युवा राजनीति को देखते तेजस्वी यादव के करीब हो रहे थे। लेकिन नीतीश कुमार के महागठबंधन में शामिल होते ही तेजस्वी और चिराग की राजनीत का जो एक रास्ता बन रहा था, वह टूट गया। अब चिराग के लिए एक रास्ता बचता है कि मोदी की सेना में शामिल हों।

चिराग की राजनीति की दिशा तय

जहां तक चिराग की राजनीति का सवाल है तो वह एक स्वतंत्र पार्टी की हैसियत के साथ बरकरार रहेगा और एनडीए की छतरी के तले अपना विस्तार भी करेगा। इसकी कुछ खास वजह भी है। सबसे पहले तो पशुपति पारस की उम्र की वजह से पासवान या दुशाद की राजनीति पूरी तरह से चिराग की तरफ शिफ्ट होते दिखा। पिछले दिनों गोपालगंज और मोकामा चुनाव में यह दिखा भी। अब भी जिस जोशोंखरोश से कुढ़नी उपचुनाव को चिराग ने गंभीरता से लिया है, यह उस संदेश के लिए काफी है कि रामविलास पासवान के वोटर ने चिराग को अपना नेता माना है। दूसरी वजह है कि चिराग की उम्र कम है और वे भविष्य की राजनीति के लंबी रेस के घोड़े साबित होंगे।

बीजेपी में जा सकते हैं पशुपति!

दरअसल, पशुपति पारस उम्र के बोझ तले राजनीति में सक्रिय भूमिका अब नहीं निभा पाएंगे। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा है कि पारस बीजेपी के साथ चले जायेंगे और पार्टी को बीजेपी में मर्ज कर देंगे। उनके सांसद अपनी मर्जी से जहां जायेंगे, वह उनके मन पर निर्भर करता है। ऐसे में महबूब अली केसर और वीणा सिंह संभवत: महागठबंधन की तरफ का रुख कर सकते हैं। लोजपा के चंदन सिंह बीजेपी में बने रह सकते हैं। जहां तक प्रिंस का सवाल है तो वह चिराग की तरफ ही पेंग बढ़ा रहे हैं। बीजेपी के रणनीतिकारों की माने तो वह चाहती है कि चिराग का स्वतंत्र अस्तित्व बना रहे। इस अस्तित्व के साथ ही बीजेपी ने जेडीयू के कद को कम करने की रणनीति में कामयाब हुई थी। इसलिए बीजेपी उसके स्वतंत्र अस्तित्व की हिमायती है और आगामी चुनाव में चिराग के इसी रूप में बीजेपी को लाभ हो सकता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

शिवपाल बने बीजेपी के लिए परेशानी का सबब!

सपा सुप्रीमों अखिलेश यादव से शिवपाल की नजदीकियों ने भाजपा के पूरे गेम प्लॉन पर पानी फेर दिया है। अभी तक माना जा रहा था कि शिवपाल की अखिलेश से नाराजगी और भाजपा प्रत्याशी की उनसे पूर्व की नजदीकियां मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में कुछ गुल खिला सकती है। लेकिन बदले सियासी समीकरणों से मुकाबला काफी रोचक होता जा रहा है। इस चुनाव के लिए सपा और भाजपा अपना पूरा जोर लगा रही है। सपा से डिंपल यादव के मैनपुरी लोकसभा सीट से उतरने से सपा के भीतर एकजुटता जैसी स्थिति दिखने लगी है और कार्यकर्ता भी उत्साहित हैं। वह परिवार एकजुट है, जो मैनपुरी में लोकसभा चुनाव के नामांकन के दिन तक टूटा, बिखरा दिख रहा था। भाजपा सामाजिक समीकरणों के सहारे मैनपुरी की सीट जीतने की कोशिश करती दिख रही है। लेकिन अखिलेश और शिवपाल की नजदीकियों ने नए समीकरणों को जन्म दे दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ मैनपुरी में चुनावी सभा में अपनी पार्टी के उम्मीदवार रघुराज सिंह शाक्य के लिए वोट मांगा। इस दौरान उनके निशाने पर सबसे अधिक शिवपाल यादव थे। सीएम योगी ने अखिलेश पर भी निशाना साधा और सपा पर भी। लेकिन तीखे तेवर शिवपाल के लिए थे। उससे पहले योगी सरकार शिवपाल से जेड सिक्योरिटी छीन कर वाई सिक्योरिटी की सुरक्षा देने की घोषणा कर चुकी थी। ऐसे समय में जहां अखिलेश चाचा की ढाल बनकर सामने आए वहीं योगी सरकार को नसीहत तक दे डाली है। शिवपाल कह रहे हैं कि अब हमारी सुरक्षा जनता करेगी। इन सबके बीच शिवपाल यादव पर सीबीआई जांच की तलवार लटकती दिखने लगी है।

गोमती रिवर फ्रंट केस में सीबीआई की ओर से जांच के लिए यूपी सरकार से अनुमति मांगी गई है। इसमें शिवपाल सिंह यादव समेत यूपी सरकार के दो अफसरों के नाम शामिल हैं। यह पूरा मामला शिवपाल के सिंचाई मंत्री के कार्यकाल है। मुलायम के निधन के बाद अब परिवार को पूरी तरह से घेरने की तैयारी है। ऐसे में यह केस और जांच का बड़ा असर हो सकता है। यादवलैंड की राजनीति में तो शिवपाल सिंह यादव अपनी पकड़ रखते ही हैं। यूपी के यादव वोट बैंक के बीच भी उनका असर दिख जाता है। वर्ष 2017 में भतीजे अखिलेश यादव से नाराज हुए और अलग पार्टी बनाई। प्रसपा के जरिए अपनी राजनीतिक जमीन तलाशने उतरे शिवपाल सिंह यादव ने खुद का तो भला नहीं किया, लेकिन यादव वोट बैंक को कुछ हद तक बांटने में कामयाब रहे। सीधा फायदा भारतीय जनता पार्टी को मिला। कई स्थानों पर बहुत कम अंतर से भाजपा जीती। अखिलेश से नाराज हुआ वोट बंटता चला गया, जिसका भाजपा को फायदा 2017, 2019 और काफी हद तक 2022 में भी मिला । अखिलेश और शिवपाल अब एक साथ है, जो बीजेपी के लिए परेशानी का सबब है!

भाजपा सामाजिक समीकरणों के सहारे मैनपुरी की सीट जीतने की कोशिश करती दिख रही है। लेकिन अखिलेश और शिवपाल की नजदीकियों ने नए समीकरणों को जन्म दे दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ मैनपुरी में चुनावी सभा में अपनी पार्टी के उम्मीदवार रघुराज सिंह शाक्य के लिए वोट मांगा। इस दौरान उनके निशाने पर सबसे अधिक शिवपाल यादव थे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अब भी परिवारवाद की परिधि में कांग्रेस

प्रभु चावला

शाही परिवार दूसरों की अधिक चमक को पसंद नहीं करते। एक बार फ्रांस के शासक लुई अष्टम, जिन्होंने वर्साई को बसाया था, अपने वित्त मंत्री निकोलस फूके के आलीशान आवास पर गये। वे यह देख कर चिढ़ गये कि उनके दरबारी का महल राजा के महल से अधिक भव्य है। फूके की बहुत अधिक लोकप्रियता से भी सम्राट को नाराजगी थी। लुई ने निष्कर्ष निकाला कि मंत्री ने राजकोष से धन चुराया है और उसकी सारी संपत्ति जब्त कर उसे जेल भेज दिया गया। इस कहानी में कांग्रेस के सांसद शशि थरूर के लिए एक सीख है, जिन्होंने एक तरह से पार्टी के कोष पर हाथ डाला है, जिसका एकमात्र धन गांधी परिवार की राजनीतिक मुद्रा है। आनुवांशिकता और नेतृत्व भरोसेमंद सहयात्री नहीं होते। कांग्रेस के इस मिथक ने, कि वंश इसका नेता बनाने में सहायक भूमिका निभाता है, कई क्षमतावान नेताओं को ध्वस्त किया है। भ्रम यह है कि कोई गांधी ही पार्टी के क्षीण भाग्य को अच्छे दिन में बदल सकता है। इसका नतीजा यह हुआ कि ऐसा कोई कांग्रेस नेता उभर नहीं पाया, जो दूसरों को भी जीता सके।

गांधी परिवार की जीत की क्षमता के खत्म होते जाने के साथ उनके अनुचर किसी भी ऐसे व्यक्ति को चुप कराने में लगे हैं, जो उनके प्रतीक के ढलते करिश्मे को चुनौती दे सके। कुछ सप्ताह से प्रबुद्ध थरूर कांग्रेस के क्रोध के निशाने पर हैं। खरगे के खिलाफ चुनाव लड़ने के कारण उनका बहिष्कार किया जा रहा है। गांधी परिवार की निगाह में थरूर का अक्षम्य अपराध यह है कि उन्होंने नौ हजार से अधिक वोटों में से एक हजार से अधिक वोट पाया, जो कांग्रेस के इतिहास में कोई भी विद्रोही उम्मीदवार नहीं पा सका था। थरूर प्रबुद्ध हैं, इतिहासकार और कूटनीतिज्ञ हैं। उन्होंने दो दर्जन से अधिक किताबें लिखी हैं तथा वे अपने विचार एवं कर्म से ठोस नेहरूवादी हैं। वे राहुल खेमे के किसी भी व्यक्ति की तुलना में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के राजनीतिक पक्ष को बेहतर ढंग से स्पष्ट कर सकते हैं। इंग्लैंड में एक उच्च-वर्गीय नायर परिवार में जन्मे थरूर मलयालम से भी अच्छी अंग्रेजी बोल सकते हैं।

व्यक्तिगत विवादों के बावजूद वे युवाओं में लोकप्रिय हैं तथा तिरुवनंतपुरम से तीन बार लोकसभा का चुनाव जीत चुके हैं। वे मनमोहन सरकार में मंत्री भी रहे, लेकिन पार्टी चुनाव में उतरने के साथ उनके दल के लोगों ने उनके सभी कार्यक्रमों का बहिष्कार किया। शायद सोनिया गांधी ने उन्हें चुनाव लड़ने की अनुमति दी थी, पर केरल में ही नेताओं ने उनसे दूरी बना कर रखी। उनका उम्मीदवार बनना एक वैचारिक कार्रवाई थी। यह दिखाने के लिए कि कांग्रेस अपने संस्थापकों के लोकतांत्रिक परंपराओं पर कायम है, लेकिन उनके साथ जो हुआ है, उससे इंगित होता है कि नेहरू-गांधी परिवार की चौथी पीढ़ी अपनी खोयी विरासत को नहीं खोजना चाहती। उसकी दिलचस्पी केवल राहुल की यात्रा में है। कांग्रेस में गांधी परिवार के किसी सदस्य की स्थिति को एक निर्देशित लोकतांत्रिक प्रक्रिया के परिणाम से नहीं बदला जा सकता है। पार्टी प्रमुख का चुनाव कई अर्थों में अहम था। पहली बात यह है कि बीते दो दशकों से चुनाव नहीं कराने की आलोचना से छुटकारा। दूसरी बात यह कि कोई गांधी मुकाबले में नहीं था। निस्संदेह नेहरू इसके सार्वजनिक चेहरे थे, पर वे एक वंशानुगत उत्तराधिकार के पिता बन गये, जब उन्होंने चालीस वर्षीया इंदिरा गांधी को 1959 में पार्टी अध्यक्ष बनवा दिया। आज चुनाव करा कर परिवार ने भले ही अस्थायी भरोसा कमाया हो, पर वह आज भी मोतीलाल नेहरू के रास्ते पर चल रही है, जिन्होंने अपने पुत्र जवाहरलाल को कांग्रेस नेतृत्व के लिए तैयार किया था और फिर वह परंपरा बन गयी।

साल 2004 में उन्होंने प्रधानमंत्री बनने से इनकार कर दिया, पर पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ बनी रही। परिवार की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने पुत्र राहुल को पहले महासचिव, फिर उपाध्यक्ष और 2017 में अध्यक्ष बनवाया। जब 2019 की हार के बाद राहुल ने पद छोड़ दिया, तो सोनिया फिर अध्यक्ष बन गयीं। इस बार राहुल के अध्यक्ष बनने से मना करने पर सोनिया ने खरगे का समर्थन किया, जो राहुल के लिए कुर्सी तैयार रखेंगे। खरगे ने संसदीय बोर्ड नहीं गठित किया है और कार्यसमिति के चुनाव को स्थगित कर दिया है।

लुई अष्टम की तरह गांधी परिवार भी चापलूस दरबारी चाहता है, करिश्माई बाहरी नहीं। थरूर अपनी ही स्वतंत्रता के पीड़ित बन गये हैं। इतिहास की उपमाएं भी संबद्ध होती हैं। लुई अष्टम के वंशज लुई सोलहवें को उनकी पत्नी समेत गद्दी से उतार कर क्रांतिकारियों ने मार डाला था। क्या थरूर का चुनाव लड़ना कांग्रेस में क्रांति की शुरुआत है? क्या गांधी परिवार लोक नकार के प्रतीकात्मक गीलोटीन का इंतजार कर रहा है? क्या कांग्रेस द्वारा बहुप्रचारित राहुल की यात्रा सोनिया गांधी की उम्र होते जाने के साथ इस वंश को नयी ऊर्जा दे सकेगी? इसका उत्तर 2024 में मिलेगा, जब मोदी का सामना राहुल करेंगे। शायद कभी दरबार नहीं रहे थरूर को तब संतोष मिल सकता है।

जैव संपदा संरक्षण और जनजातीय समुदाय

अशोक भगत

हाल में ब्राजील की राजनीति ने दुनिया को हिला कर रख दिया और अनुमान के विपरीत एक बार फिर देश की कमान लूला डी सिल्वा के हाथ में चली गयी। लूला की जीत के लिए जो अहम मुद्दा बना, वह ब्राजील की विशाल जैविक संपदा संरक्षण का था। भारत में भी विशाल जैविक संपदा और विविधता है। इसके लगातार क्षरण को रोकने तथा इसे संरक्षित करने के लिए न तो सरकार गंभीर दिख रही है और न ही समाज संवेदनशील प्रतीत होता है। हमारी राजनीतिक स्थिति भी ऐसी नहीं है, जो जैव संपदा संरक्षण चुनावी मुद्दा बन सके। दुनिया के लगभग 10 प्रतिशत भूभाग पर वन एवं दुर्गम क्षेत्रों में निवास करने वाले जनजातीय समुदाय हैं। इन समुदायों की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक स्थिति लगभग एक जैसी है। हमारे देश की जनसंख्या का लगभग नौ प्रतिशत भाग आदिवासियों का है। उनके उन्नयन और विकास की कई योजनाओं के बावजूद उन्हें जिस गति से मुख्यधारा में जोड़ा जाना चाहिए, वह गति अभी तक नहीं आ पायी है।

इसका सबसे बड़ा कारण आदिवासियों की सांस्कृतिक, क्षेत्रीय, पारंपरिक संस्थागत अध्ययन के बिना योजनाएं बनाना और उन्हें पूरा करने के लिए बाहरी भौतिक या मानव संसाधनों का उपयोग करना है। अधिकतर योजनाओं की असफलता से आदिवासियों में भी सत्ता व मुख्यधारा में शामिल समाज के प्रति आक्रोश बढ़ा और इसका प्रस्फुटन कहीं माओवादी समस्या के रूप में, तो कहीं ईसाई मिशनरियों के धर्मांतरण के माध्यम से हुआ है। लंबे समय तक आदिवासी क्षेत्रों में काम करने के बाद जो अनुभव हुआ है, उसमें से एक तो यह है कि आदिवासियों को खुद की बदौलत, खुद की भाषा और सांस्कृतिक स्वरूप में विकसित होने के लिए माहौल बनाने की जरूरत है। आदिवासियों का पलायन को रोकने के लिए आदिवासी समाज को वन क्षेत्र में अधिकार देना होगा।

हालांकि सरकार ने वन अधिकार अधिनियम बनाकर इन्हें अधिकार देने की प्रक्रिया प्रारंभ की है, लेकिन उसकी गति बेहद धीमी है और इसमें लाल फीताशाही हावी है। अनुसूचित जनजातियों और अन्य परंपरागत वन निवासियों (जो पीढ़ियों से निवास कर रहे है, पर उनके अधिकारों को अभिलिखित नहीं किया जा सका है) को वन भूमि पर अधिकार देने के लिए एक संवैधानिक नियम बनाया गया है। यह 2006 में पारित किया गया, जो 31 दिसंबर, 2007 से लागू हुआ एवं भारतीय संविधान का अंग हो गया। उक्त अधिनियम के तहत नियम 2008 में जारी किये गये। विभिन्न राज्यों एवं स्वयंसेवी संगठनों के सुझाव प्राप्त होने पर इस अधिनियम के क्रियान्वयन में आ रही कठिनाइयों को दूर करने एवं उसे प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से भारत सरकार ने नियमों में कुछ संशोधन करते हुए संशोधित नियम सितंबर, 2012 में जारी किया था। इसमें भी कई विसंगतियां हैं। इस अधिनियम को संवैधानिक रूप से लागू किये जाने के बजाय उसको व्यावहारिक रूप में लागू करने की प्रतिबद्धता की जरूरत है।

भारतीय संसद में वन अधिकार कानून तो पारित कर दिया गया, लेकिन आज भी कई राज्यों में यह कानून सफेद हाथी बन कर रह गया है। हिमाचल प्रदेश जैसे जनजातीय बहुल राज्य में इस कानून की प्रक्रिया ठप पड़ी हुई है। झारखंड में वन अधिकार पट्टा आवंटन की स्थिति बेहद कमजोर है तथा अधिकतर आदिवासियों को उनके दावों से बहुत कम जमीन मिल रही है। सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य के करीब 15 हजार जंगल वाले गांवों में लगभग ढाई करोड़ से अधिक की आबादी रहती है। यहां सामुदायिक और निजी करीब 19 लाख हेक्टेयर वन भूमि पर दावों की संभाव्यता है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक झारखंड में 60 हजार व्यक्तिगत व दो हजार सामुदायिक पट्टों का वितरण हुआ है, जबकि 49 हजार दावा पत्र विभाग के पास लंबित हैं। इस मामले में छत्तीसगढ़ ने थोड़ी गंभीरता दिखायी है। महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु आदि राज्यों में भी वन अधिकार पट्टे के वितरण की स्थिति बेहद कमजोर है। इस कारण वनों की कटाई जोरों पर है और अवैध अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है।

यदि वनों के संरक्षण के प्रति सरकार जवाबदेह है, तो खुले मन से आदिवासियों और वनवासियों को वन अधिकार पट्टा उपलब्ध करा देना चाहिए। यह केवल पर्यावरण के हित में ही नहीं है, बल्कि इससे जनजातीय समाज को कई प्रकार का संरक्षण प्राप्त होगा। जो बाहर की योजनाएं जनजातीय समाज पर थोपी जाती हैं, उसके स्थान पर उनके खुद के संसाधन और स्थानीय सोच को महत्व दिया जाना चाहिए। साथ ही, स्थानीय तकनीक व कौशल को युगानुकूल बना कर उसे योजनाओं में शामिल किया जाना चाहिए। इससे न केवल जनजातीय समाज मुख्यधारा के साथ जुड़ेगा, अपितु पर्यावरण संरक्षण के लिए रक्षक प्रहरियों का एक दल भी खड़ा हो जायेगा। वन संपदा व जैव विविधता के संरक्षण के लिए एक सशक्त कानून के साथ इसे लागू करने की प्रतिबद्धता भी आवश्यक है। सामाजिक सरोकार व स्थानीय स्वशासन के पहलू की अनदेखी इस अधिनियम के लागू करने में कमजोर कड़ी साबित हो रही है।

मस्तिष्क को रखे दुरुस्त

शरीर को सुचारु रूप से चलाने में विटामिन्स और माइक्रोन्यूट्रीएंट्स बहुत जरूरी होते हैं, पर विटामिन बी कॉम्पलेक्स एक ऐसा तत्व है, जो मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के सही से काम करने में मदद करता है। विटामिन बी कॉम्पलेक्स मेटॉबालिज्म को बढ़ाता है। यह पोषण को ऊर्जा में बदलने के काम करता है। हमारी कोशिकाओं में पाए जाने वाले जीन डीएनए को बनाने और उनकी मरम्मत में सहायता करता है। यह ब्रेन, स्पाइनल कॉर्ड और नसों के कुछ तत्वों की रचना में भी सहायक होता है। हमारी लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण भी इसी से होता है। यह शरीर के सभी हिस्सों के लिए अलग-अलग तरह के प्रोटीन बनाने का भी काम करता है।

स्किन की समस्या

विटामिन बी 6 मनुष्य की त्वचा के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। यह त्वचा को रुखेपन से बचाने में मदद करता है। यह अनेक त्वचा संबंधी समस्याओं जैसे एक्जिमा, रूसी, मुंहासें, बालों का झड़ना और सूखी त्वचा के उपचार में भी काफी सहायता करता है। इसके अलावा यह गंभीर त्वचा रोगों जैसे मेलेनोमा और सोराइसिस आदि के उपचार में भी सहायता करता है।

इमोशनल डिसऑर्डर

इसके अलावा विटामिन बी 6 की कमी होने पर इमोशनल डिस्आर्डर, दिल से जुड़ी बीमारियां, किडनी रोग, मल्टीपल स्क्लेरोसिस, एनीमिया जैसी समस्याओं के चांस बढ़ जाते हैं। इसलिए बिटामिन बी 6 का संतुलन बनाये रखने के लिए खान-पान पर विशेष ध्यान दें।

हेल्दी बॉडी के लिए जरूरी है विटामिन 'बी-6'

क्या आप अपने डाइट में विटामिन बी 6 युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं। कई लोग ऐसा नहीं करते और विटामिन बी 6 की कमी की वजह से कई शारीरिक समस्याओं से ग्रस्त रहते हैं। पायरीडॉक्सीन या पिरीडॉक्सिन को विटामिन बी 6 के नाम से जाना जाता है। विटामिन बी 6, बी विटामिन का एक प्रकार है। यह कुछ विशेष खाद्य पदार्थों जैसे कि अनाज, बीन्स, सब्जियां, जिगर, मांस और अंडों में पाया जा सकता है। यह जरूरी पोषक तत्व हमारे भोजन को एनर्जी में बदलने में सहायक होता है। हाल ही में हुई एक रिसर्च में सामने आया है कि जो लोग विटामिन बी 6 का सेवन करते हैं उन्होंने रात को क्या सपने देखा सुबह तक अच्छे से याद रहता है।

इसके अलावा ये विटामिन नींद की क्वालिटी को बढ़ाने के साथ ही थकान को भी दूर करता है। इसके अलावा शरीर में वसा और प्रोटीन के मेटाबॉलिज्म के लिए जरूरी है। मस्तिष्क के विकास और उसके कार्यप्रणाली के लिए विटामिन बी 6 जरूरी तत्व है। जो न सिर्फ दिमागी तौर पर हमें तंदुरुस्त रखता है बल्कि यह विटामिन हीमोग्लोबिन के निर्माण मे मदद करता है। आज जानते हैं कि विटामिन बी 6 शरीर के लिए क्यूं आवश्यक है और इसके स्रोत क्या है।

थकावट और सुस्ती

विटामिन बी 6 की कमी होने पर जरा-सा काम करने पर थकावट महसूस होने लगती है। सारा दिन सुस्ती पड़ी रहती है। यह इसके खास लक्षण हैं। इसके अलावा मुंह और जीभ में सूजन भी इसकी कमी के लक्षण है। जीभ में दर्द भी हो सकता है।

पथरी होने से रोकता है

विटामिन बी 6 मानव हृदय में जमा होने वाले वसा के स्तर को नियंत्रित करने में सहायता करने के साथ ही किडनी में पथरी के निर्माण को भी रोकता है। इस विटामिन से मानव शरीर के महत्वपूर्ण अंगों का आकार सही रखने में मदद मिलती है।

विटामिन बी 6 के लिए ये खाएं

साबुत अनाज

अगर आप वेजिटेरियन हैं तो इसके सबसे अच्छे स्रोत साबुत अनाज जैसे गेंहू, बाजरा, जौ, मक्का, मटर, ग्रीन बीन्स, अखरोट आदि हैं। इसके अलावा केले, बंद गोभी, सोया बीन्स, गाजर और हरी सब्जियों को भी अपनी डाइट में ले सकते हैं।

एवोकाडो और पालक

विटामिन बी 6 सूरजमुखी के बीज, पिस्ते, मछली, पोर्क, चिकन, सूखे मेवे, केले, एवोकाडो और पालक में भी अधिक मात्रा में पाया जाता है।

आलू और स्टार्च वाली सब्जियां

आलू और अन्य स्टार्च वाली सब्जियां, फल (खट्टे फलों के अलावा) आदि भी इस विटामिन के अच्छे स्रोत हैं।

नॉनवेज से लाभ

नॉनवेज खाने वाले मछली, अंडे, चिकन, मटन आदि का सेवन करें।

हंसना मना है

पारुल अपने नौकर से- नालायक, तुझसे एक भी काम ढंग से नहीं होता, बदतमीज कहीं का नौकर-मैडम, जरा तमीज से बात करिए! मैं आपका नौकर हूं, शौहर नहीं।

सारे दिन फोन पर चैटिंग करते रहने का नतीजा- पापा: बेटा क्या कर रहा है। पप्पू: पापा वर्षा आने वाली है। पापा: कुछ पढ़ लिया कर नालायक, सारे दिन लड़कियों से चैटिंग करता रहता है। पप्पू: पापा मैं बारिश की बात कर रहा हूं।

संजू अपने पिता से: पापा वो शर्मा जी का बेटा बाप बन गया। पिता: तो। संजू: अच्छा ! बचपन से जब भी वो फर्स्ट आया आपने कहा उस जैसा बनो। तो आज नहीं कहोगे। पिता: भाग हरामखोर यहां से।

पिता बेटे पर गुस्सा करते हुए: एक काम ढंग से नहीं होता तुझसे, तुम्हें पुदीना लाने के लिए कहा था और तुम ये धनिया ले आए, तुझ जैसे बेवकूफ को तो घर से निकाल देना चाहिए। बेटा: पापा चलो इकट्ठे ही चलते है। पिता: क्यों। बेटा: मम्मी कह रही थी कि ये मेथी है।

कहानी | दूसरों को छोटा न समझें

एक बार की बात है एक संत थे, वे अक्सर यात्रा पर रहते थे और उनका नियम था कि वे ऐसे ही लोगों के घर आश्रय लेते थे, जिनका अचार-विचार अच्छा हो और घर पवित्र हो। इस बार उन्होंने वृन्दावन जाने का सोची लेकिन पहुंचते-पहुंचते रास्ते में रात हो चुकी थी। तो उन्होंने सोचा कि इसी गांव में रात बिता लेता हूं और सवेरे जल्दी उठकर फिर से अपनी यात्रा को शुरू कर दूंगा। अब अपने नियम अनुसार उनको ऐसा घर खोजना था जो उनके रहने लायक हो। उन्होंने पता चला कि ब्रज के पास वाले गांव के सभी लोग धार्मिक है व कृष्ण के परम भक्त है। संत उस गांव गये और एक व्यक्ति के घर का द्वार खटखटाया और कहा, भाई मैं थोड़ा विश्राम करना चाहता हूं तो क्या मैं आपके घर रात बिता सकता हूं, लेकिन मेरा एक नियम हैं कि मैं केवल उसी के घर का भोजन और पानी ग्रहण करता हूं जिसके घर का आचार विचार शुद्ध हो। इस पर उस व्यक्ति ने कहा, महाराज माफ कीजिये मैं तो इस गांव का तुच्छ सा इंसान हूं। लेकिन इस गांव के सभी लोग मुझसे कही ज्यादा पवित्र हैं। फिर भी यदि आप मेरे घर में रुकेंगे तो मैं खुद को भाग्यशाली मानूंगा। इस पर संत कुछ नहीं बोले और आगे बढ़ गये, आगे जाकर एक और व्यक्ति से उन्होंने रात बिताने के लिए विनती की। तो इस दूसरे व्यक्ति ने भी वहीं बात कही। संत फिर बिना कुछ बोले आगे बढ़ गए। अब आगे जिसके भी घर गये सभी ने लगभग यही बात बोली। अब संत को अपनी खुद ही सोच पर लज्जा महसूस होने लगी कि वो एक संत होकर दूसरों को छोटा समझने की इतनी छोटी सोच रखते हैं जबकि एक आम आदमी जो गृहस्थ है वो अपने परिवार के जिम्मेदारियों को निभाते हुए भी कितना उत्तम आचरण लिए हुए है कि खुद को गांव का सबसे छोटा बता रहा है और दूसरे सभी को खुद से बेहतर! अब वे सबसे पहले वाले आदमी के पास गये और उससे कहा क्षमा कीजिये, मुझे लगता है इस गांव का हर एक आदमी पवित्र है लेकिन मैं आपके घर रुकना चाहूंगा।

सीख: दोस्तों ये कहानी हमें विनम्र रहने की सीख देती है। खुद को छोटा समझना और दूसरों से अपनी तुलना नहीं करना ही आपको असल जिन्दगी में महान आचरण वाला बनाता है।

6 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष पुराने रुके कार्य पूरे हो सकेंगे। गृहस्थ जीवन शांतिमय रहेगा। जोखिम के कार्यों से दूर रहें।

वृषभ मौके का फायदा उठाना आपके हाथ में है। व्यावसायिक दृष्टि से लाभदायक समय।

मिथुन भाइयों से खटपट हो सकती है। विद्यार्थियों को परिश्रम से अच्छे फल मिलने की उम्मीद है।

कर्क नए कार्यों में सफलता मिलने की पूर्ण संभावना बनती है। पारिवारिक संबंध प्रगाढ़ होंगे।

सिंह भाग्योदय के कारण लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। कामकाज, व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या व्यापारिक कार्य से की गई यात्रा लाभप्रद रहेगी। फिजूलखर्ची से बचना चाहिए।

तुला आर्थिक निवेश लाभदायी रहेगा। अपनी बुरी आदतों पर नियंत्रण रखना होगा। लोगों से मुलाकात होगी।

वृश्चिक व्यापार में निर्णय सोच-समझकर लें। मौके का लाभ उठा सकेंगे। अति उत्साह से नुकसान होगा।

धनु अपनी वस्तुओं को संभालकर रखना आवश्यक है। आपकी सलाह को स्वीकार किया जाएगा।

मकर मधुर संबंध बनेंगे, जो लाभदायी रहेंगे। व्यापार में नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा।

कुम्भ पारिवारिक समस्या हल होगी। आवेश में आकर कार्य न करें। सामाजिक आयोजनों में रुचि लेंगे।

मीन व्यापार-व्यवसाय में बढ़ोतरी होगी। कर्ज से दूर रहें। परिवार के सदस्यों की तरक्की होगी।

तापसी पन्नू की फिल्म ब्लर देख खड़े हो जायेंगे रोंगटे

तापसी पन्नू का बॉलीवुड करियर काफी शानदार रहा है। उन्होंने अपनी हर फिल्म में अलग-अलग तरह के किरदारों को बहुत खूबसूरती से पर्दे पर उतारा है। कुछ समय से एक्ट्रेस अपनी अपकमिंग फिल्म ब्लर को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अब उनकी इस साइनकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म का जबरदस्त ट्रेलर भी रिलीज कर दिया गया है।

इस फिल्म में तापसी डबल रोल में दिखाई दे रही हैं, लेकिन एक बहन (गौतमी) मर जाती है और वह दूसरी (गायत्री) उसके कत्ल की जांच में जुटी हुई है। गायत्री ने इस बात को मानने से इंकार कर देती है कि उसकी बहन ने आत्महत्या की है। यहां उसकी मुश्किलें तब और बढ़ जाती हैं जब उसे पता चलता है कि कभी भी उसकी आंखों की रौशनी जा सकती है। जांच के दौरान ही उसे पता चलता है कि उसकी बहन किसी को डेट कर रही थी।

ट्रेलर कई ऐसे दिलचस्प सीन्स दिखाए गए हैं, जो फिल्म के लिए उत्सुकता बढ़ा रहे हैं। तापसी एक बार फिर से अपनी जबरदस्त एक्टिंग से हैरान करती हुई नजर आ रही हैं। ट्रेलर के अंत में उन्हें आंखों पर पट्टी बांधे यहां-वहां भटकते हुए देखा जा रहा है। इस फिल्म की शूटिंग सर्द, बर्फीली वादियों में की गई है।

इस दिन रिलीज हो रही है फिल्म अजय बहल के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तापसी एक्ट्रेस के अलावा प्रोड्यूसर के तौर पर इसके साथ जुड़ी है। फिल्म की कहानी पवन सोनी ने लिखी है। इसे सिनेमाघरों की बजाय सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर 9 दिसंबर को स्ट्रीम किया जाने वाला है। फिल्म में गुलशन दैवेया भी लीड रोल में दिखाई दे रहे हैं।

अब रूस में धमाल मचाने को तैयार पुष्पा : द राइज

पिछले कुछ सालों में लोगों के बीच साउथ फिल्मों का क्रेज देखने को मिल रहा है। अल्लू अर्जुन की पुष्पा द राइज को न केवल भारत बल्कि विदेशों में भी काफी पसंद किया गया है। फिल्म अब रूस में रिलीज होने के लिए एकदम तैयार है। आइए जानते हैं रूस में फिल्म कब रिलीज होगी।

अखिल भारतीय स्तर पर दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा द राइज आठ दिसंबर को रूस में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माताओं ने सोमवार को यह घोषणा की। रूस में आयोजित होने वाले भारतीय फिल्म महोत्सव के हिस्से के रूप में अभिनेता अल्लू अर्जुन की इस फिल्म का रूसी भाषा में प्रीमियर मास्को और सेंट पीटर्सबर्ग में क्रमशः एक दिसंबर और तीन दिसंबर को होगा। पुष्पा: द राइज फिल्म के साथ एक दिसंबर को फिल्म महोत्सव के गाला के पांचवें संस्करण की शुरुआत होगी। अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, निर्देशक सुकुमार बांद्रेड्डी और निर्माता रवि शंकर मास्को के ओशिनिया शॉपिंग सेंटर में होने वाले इस समारोह में शामिल होंगे। छह दिसंबर तक चलने वाला भारतीय फिल्म महोत्सव रूस के 24 शहरों में आयोजित किया जाएगा। छह दिवसीय इस फिल्म महोत्सव में 'आरआरआर', 'माई नेम इज खान', 'दंगल', 'वॉर' और 'डिस्को डांसर' जैसी अन्य भारतीय फिल्में भी दिखाई जाएंगी।

बॉलीवुड | मन की बात

द कश्मीर फाइल्स का हर शॉट सच है : अग्निहोत्री

साल 2022 में जिस फिल्म ने सबसे ज्यादा तहलका मचाया और कमाई की, वो थी द कश्मीर फाइल्स। इसे विवेक अग्निहोत्री ने डायरेक्ट किया था और इसको नेशनल अवॉर्ड भी मिला था। चारों तरफ इसकी वाहवाही भी हो रही थी। सब इसकी तारीफ कर रहे थे। लेकिन गोवा में चल रहे 53वें फिल्म फेस्टिवल IFFI में जब इजारयल के एक फिल्ममेकर नदाव लैपिड ने इसकी आलोचना की। इस मूवी को वल्गर प्रोपेगेंडा बताया, तो सब भड़क गए। पहले अनुपम खेर ने रिएक्ट किया था। अब विवेक अग्निहोत्री ने एक वीडियो बनाकर अपनी बात कही है। दरअसल, नदाव लैपिड को IFFI का जूरी हेड बनाया गया था। जब उन्होंने द कश्मीर फाइल्स पर अपने मन की बात की, तो वो सबको चुभ गई। अनुपम खेर और अशोक पंडित के बाद अब विवेक अग्निहोत्री ने रिएक्ट किया। उन्होंने दो मिनट का वीडियो ट्विट किया और कहा- IFFI में जो कल बातें कही गई, वो मेरे लिए नई नहीं है। क्योंकि ऐसी बातें तो सारे आतंकवादी संगठन, अर्बन नक्सल और भारत के टुकड़े-टुकड़े करने वाले लोग हमेशा से बोलते आए हैं।

विवेक अग्निहोत्री ने कर दिया चैलेंज

विवेक अग्निहोत्री ने कहा, आज मैं उन सभी बुद्धीजीवियों और अर्बन नक्सल को चैलेंज करता हूं। साथ ही इजारयल के उस फिल्ममेकर को भी चैलेंज करता हूं कि द कश्मीर फाइल्स का कोई एक शॉट, एक डायलॉग ये साबित कर दें कि वो सच नहीं है, तो मैं फिल्में बनाना छोड़ दूंगा। विवेक ने आगे कहा कि वो डरने वालों में से नहीं हैं। उनके खिलाफ जितने मर्जी फतवे जारी कर लो, वो डरते नहीं हैं।

इस देश में जेल जाने के लिए बुजुर्ग करते हैं रोजाना अपराध

दुनिया में शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा जिसे जेल जाने से डर न लगता हो। यकीनन हम सब को जेल जाने से डर लगता ही है लेकिन आज हम आपको एक ऐसे देश के बारे में बताने जा रहे हैं जहां बुजुर्ग लोग जेल जाने के लिए रोजाना कोई न कोई अपराध करते हैं। दरअसल, जापान के बुजुर्ग इस तरह की समस्या से जूझ रहे हैं और इसके लिए वे हर दिन कोई ना कोई जुर्म करते हैं और जेल चले जाते हैं। बता दें कि जापान के बुजुर्ग अपनी खुशी से ही क्राइम करते हैं और जेल चले जाते हैं। ये बात सुनकर आपको हैरानी हो रही होगी। तो चलिए जानते हैं क्या है पूरा मामला। बता दें कि जापान में एक जेल है जहां पर बुजुर्गों के लिए खाना-पीना और मेडिकल की सुविधा बिल्कुल फ्री है। इतना ही नहीं इस जेल में पूरी तरह से आजादी भी मिलती है। जो बुजुर्ग अपने परिवार से बेरुखी से परेशान हो जाते हैं वो इस जेल में कोई ना कोई क्राइम कर आ जाते हैं। बता दें कि जापान में एक जेल है जहां पर बुजुर्गों के लिए खाना-पीना और मेडिकल की सुविधा बिल्कुल फ्री है। इतना ही नहीं इस जेल में पूरी तरह से आजादी भी मिलती है। जो बुजुर्ग अपने परिवार से बेरुखी से परेशान हो जाते हैं वो इस जेल में कोई ना कोई क्राइम कर आ जाते हैं। जापान के पिछले 20 साल के आंकड़ों के अनुसार इस संख्या में 65 साल से ज्यादा वाले बुजुर्ग शामिल है और उनकी संख्या तीन गुना हो चुकी है। आरामदायक जिंदगी के लिए यहां के बुजुर्ग बार-बार अपराध कर रहे हैं। बता दें कि 1997 में हर 20 अपराधियों में से एक 65 साल का बुजुर्ग होता था लेकिन अब हर 5 अपराधियों में एक बुजुर्ग जरूर होता है। जापान की आबादी 12.68 करोड़ है और जिसमें से 65 साल के ऊपर के बुजुर्गों की आबाजी साढ़े तीन करोड़ के आस-पास है। दो साल पहले दोषी करार दिए गए बुजुर्गों की संख्या 2500 थी। कई बुजुर्ग जो ठीक से चल नहीं पाते वह मुफ्त के खाने के लिए जेल जा रहे हैं। इसके साथ ही इस जेल के सुरक्षाकर्मी बुजुर्ग के डाइपर बदलने से लेकर खाने-पीने तक का ध्यान रखते हैं।

अजब-गजब | प्रति किलोमीटर से किया जाता है हिसाब

इस देश में साइकिल से दफ्तर आने वालों को अलग से मिलता है पैसा

आज हमारे देश में लोग साइकिल का प्रयोग कम करते जा रहे हैं। साइकिल की जगह अब बाइक और कार ने ले ली है। लेकिन दुनियाभर के तमाम देश दोबारा से साइकिल को तबज्जो देने लगे हैं। क्योंकि साइकिल के प्रयोग से स्वास्थ्य को भी दुरुस्त रखा जा सकता है। साथ ही ट्रैफिक जाम जैसी तमाम परेशानियों से भी बढ़ा जा सकता है यही नहीं साइकिल के प्रयोग से पेट्रोल के पैसे भी बचा सकते हैं। लेकिन आप ये नहीं जानते होंगे कि दुनिया में एक ऐसा भी देश है जो साइकिलिंग के बदले पैसे भी देता है। दरअसल, नीदरलैंड दुनिया का एक ऐसा ही देश है जहां साइकिल से ऑफिस जाने पर आपको कंपनी की तरफ से अलग से पैसे दिए जाते हैं।

नीदरलैंड में साइकिलिंग को बढ़ावा देने के लिए ऐसा किया गया है। यही वजह है कि यहां की जितनी आबादी है उससे ज्यादा साइकिल है। नीदरलैंड में ऑफिस जाने के लिए अगर कोई कर्मचारी साइकिल का इस्तेमाल करता है तो उसे हर किलोमीटर के बदले 0.22 डॉलर (करीब 16 रुपये) अलग से मिलते हैं। वहां की सरकार ने कंपनियों को सख्त निर्देश दिया है कि वे इस नियम का पालन करें।

बता दें कि नीदरलैंड की तरह यूरोप के कई देशों में भी साइकिल टू वर्क स्कीम लागू है। यहां ऑफिस जाने के लिए साइकिल का इस्तेमाल करने पर आपको हर किलोमीटर के बदले अलग से पैसे मिलते हैं। आपको इंग्लैंड और बेल्जियम की सड़कों पर बड़ी संख्या में लोग साइकिल की सवारी करते दिखाई देंगे। यूरोप के कई देशों में अगर आप साइकिल खरीदने जाते हैं तो आपको टैक्स में भारी छूट दी जाती है। ऐसा माना जा रहा है कि साइकिलिंग का प्रचार होने से इन देशों की पेट्रोल-डीजल पर कम निर्भरता हो रही है। नीदरलैंड में तो सरकार की तरफ से साइकिलिंग के लिए शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है। खबरों के मुताबिक, एम्सटर्डम में ऑफिस जाने वाले लोग आधा सफर साइकिल से पूरा करते हैं। साइकिल चलाने वालों के लिए शहरों में अलग से रास्ता बनाया गया है। यही नहीं जगह-जगह साइकिल पार्किंग और सुरक्षित स्टैंड बनाए गए हैं।

कन्नौज में सनसनीखेज दोहरा हत्याकांड

गला रेतकर मां-बेटी की नृशंस हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले से दोहरे हत्याकांड की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। कोतवाली क्षेत्र में बीती रात घर में मां-बेटी की गला रेतकर हत्या कर दी गई। बुधवार सुबह घटना की जानकारी पड़ोसियों को हुई, तो सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।

बता दें कि खून से लथपथ मां-बेटी के शव कमरे में पड़े मिले हैं। जिले के तालग्राम थाना के गांव भोजापुर निवासी किसान सौदान की काफी साल पहले मौत हो चुकी। घर मे पत्नी भगवानश्री (50) और बेटी अनीता (20) के अलावा एक बेटा रहता था। मंगलवार को बेटा रिश्तेदार के यहां चला गया था। इधर रात को बदमाशों ने कमरे में भगवानश्री और उसकी बेटी अनिता की धारदार हथियार से गला रेतकर कर हत्या कर दी। बुधवार सुबह जब काफी देर तक मां-बेटी बाहर नहीं निकले, तो पड़ोसियों ने अंदर जाकर देखा।

कमरे में खून से लथपथ शवों को देखते ही सनसनी फैल गई। दोहरे हत्याकांड की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस की कई टीमों ने छानबीन शुरू की है। एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने बताया दोनों शवों को कब्जे ले लिया गया है।

घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करने के बाद ग्रामीणों से भी पूछताछ की गई है। उन्होंने पुलिस को दोहरे हत्याकांड का पर्दाफाश करने का निर्देश दिया। कोतवाल ने बताया कि हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हैं। जल्द ही दोहरे हत्याकांड का खुलासा होगा। फिलहाल पुलिस हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

बाप ने बेटे और बेटी को जहर देकर मार डाला, फिर फंदे पर लटक कर दे दी जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पीलीभीत। पीलीभीत से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। गांव रंभोजा में रहने वाले बालक राम (45) का शव बुधवार सुबह फंदे पर लटका मिला। उसका पुत्र निहाल (11) और पुत्री शालिनी (15) का शव कमरे के अंदर ही संदिग्ध हालत में चारपाई पर मिले। दियोरियां कोतवाली पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

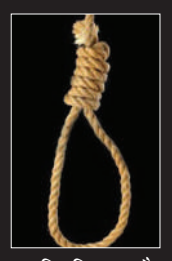

सूचना मिलने पर एएसपी डॉ. पवित्र मोहन त्रिपाठी ने भी गांव पहुंचकर परिवार वालों से वार्ता कर जानकारी जुटाने का प्रयास किया, अभी घटना को लेकर कोई स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। दियोरिया कोतवाली के गांव रंभोजा निवासी बालक राम की पत्नी राजेश्वरी देवी मायके गई थी। बड़ा पुत्र शिवम अपनी पत्नी के साथ गांव गझाड़ा स्थित रिश्तेदारी में गया था। बालक राम के अलावा उनकी बड़ी पुत्री शालिनी (15), पुत्र प्रभात (13), पुत्र निहाल (11) घर पर थे। जब सुबह प्रभात सोकर उठा, तो कमरे से पिता गायब थे। जबकि भाई और बहन को जगाने का प्रयास किया। मगर वह नहीं उठे।

पिता नजर नहीं आए, तो प्रभात ने अपने चाचा को बताया कि पिता गायब है और भाई-बहन सोकर नहीं उठ रहे। जबकि प्रभात के चाचा ने घर के अंदर जाकर देखा, तो बालक राम का शव बरामदे में फंदे पर लटका मिला। जबकि निहाल और शालिनी के शव कमरे के अंदर चारपाई पर थे। सूचना पर बालक राम की पत्नी और बड़ा पुत्र भी गांव पहुंच गए थे। अभी घटना को लेकर कोई कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। एएसपी डॉ. पवित्र मोहन त्रिपाठी ने परिवार वालों को एक मकान के अंदर ले जाकर पूछताछ शुरू कर दी है। मगर अभी कोई कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। प्रथम दृष्टया घरेलू कलह को लेकर बच्चों के जहर देकर बालक राम द्वारा आत्महत्या की बात सामने आ रही है। जांच में स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

एक भारत श्रेष्ठ भारत में दिखी अद्भुत झलकियां

» महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित हुआ कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय आशियाना लखनऊ में भारत सरकार के द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के अंतर्गत एक भारत श्रेष्ठ भारत उत्सव-ए क्लचरल एक्स्ट्रावैगेंजा 2022 का आयोजन किया गया। आयोजन में आये सम्मानित अतिथिगणों का स्वागत महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. सुमन गुप्ता के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य

अतिथि समाजसेविका एवं उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की पूर्व उपाध्यक्ष नम्रता पाठक के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

प्रमुख संयोजिका डा. सनोबर हैदर ने अतिथियों एवं कार्यक्रम की रूपरेखा सम्मिलित दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत की। इसी क्रम में मुख्य अतिथि के द्वारा महाविद्यालय के द्वारा मुद्रित ईबीएसबी पत्रिका का लोकार्पण भी किया गया।

मुंबई हमले में आतंकियों से लोहा लेने वाले जिल्लू की हृदय गति रुकने से मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। 26/11 के मुंबई आतंकी हमले में आतंकियों को धूल चटाने वाले आरपीएफ कांस्टेबल जिल्लू यादव की अचानक मौत हो गई।

वाराणसी जिले के चोलापुर थाना के मोहाव निवासी जिल्लू यादव की मौत उनके मोहाव स्थित आवास पर हृदय गति रुकने से हो गई। जिल्लू यादव 26/11 में मुंबई में हुए आतंकी हमले में भीटी स्टेशन पर तैनात थे उसी समय आतंकवादियों ने भीटी स्टेशन पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी थी। यह देखकर जिल्लू यादव ने वहां खड़े आरपीएफ के जवान से रायफल छीनकर आतंकियों पर फायरिंग झोंक दिया। उसी समय जिल्लू यादव की तैनाती भीटी स्टेशन पर थी।

जितिन के पत्र के बाद मचा हड़कंप, बनी जांच समिति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के विकास नगर में सड़क धंसने के मामले की जांच की जाएगी। इसके लिए लोक निर्माण विभाग ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है।

जांच की जिम्मेदारी अपर आयुक्त लखनऊ मंडल, मुख्य अभियंता, जलकल विभाग और अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग की समिति को सौंपी गई है। जांच समिति से मामले की रिपोर्ट को दो दिन में देने की अपेक्षा की गई है। सड़क धंसने पर जिले के प्रभारी मंत्री व लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने मंडलायुक्त को पत्र लिखकर जांच कर जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए थे। मंडलायुक्त को भेजे पत्र में जिले के प्रभारी मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा था कि

विकास नगर में सड़क धंसने का मामला

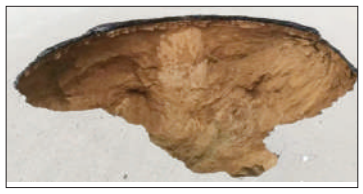

अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग ने उनको बताया है कि यह मार्ग लोक निर्माण विभाग के स्वामित्व का है। रोड के मध्य से जल निगम की सीवर की ट्रंक लाइन गुजर रही है। ट्रंक लाइन का पाइप टूटने या ज्वाइंट खुल जाने से सड़क के नीचे की मिट्टी कट गई है। यह कैसे हुआ इसकी जांच की जाए। इसमें जिसकी भी लापरवाही मिले, उसकी जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाए।

केन्द्र सरकार के कामों से केजरीवाल के दिल्ली मॉडल को काउंटर करने में जुटी बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के नगरीय निकाय चुनाव जैसे-जैसे करीब आते जा रहे हैं। सियासी हलचल भी उतनी ही तेजी से बढ़ रही है। एक तरफ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने दिल्ली मॉडल के हर तरफ कसीदे पढ़ रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ बीजेपी भी इस मॉडल को काउंटर करने के रास्ते तलाश रही है।

बुधवार को केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दिल्ली में किए गए केंद्र सरकार के काम गिनाए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्रीजी ने दिल्ली में झुग्गी वालों को कालकाजी में फ्लैट की चाबियां दीं। कुछ दिन पहले ही पीएम ने जनता को 3 हजार मकान दिए थे। दिल्ली की अगली जनगणना में जनसंख्या 2 करोड़ से ज्यादा होगी। इसके तहत 10 लाख से ज्यादा मकानों की जरूरत होगी।

उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली में सालो से झुग्गियों में रहने वाले लोगों को मकान दिए जाएंगे। पीएम उदय योजना के तहत 50 लाख लोगों को फायदा मिलेगा। वहीं, लैंड पूलिंग का फायदा 75 लाख लोगों को फायदा मिलेगा। बता दें कि लैंड पूलिंग स्कीम के तहत दिल्ली में जमीन होने पर लोग उसमें फ्लैट्स बनाकर बेच सकते हैं। इसमें डीडीए की भी सहभागिता रहती है।

दिल्ली सरकार ने नहीं किया काम : पुरी

हरदीप सिंह पुरी ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि दिल्ली में कुल 675 झुग्गी क्षेत्र हैं। 376 झुग्गी क्षेत्र डीडीए की जमीन पर हैं। इन लोगों को मकान देने की जिम्मेदारी केंद्र की है। 210 पर फार्म भरवा लिए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि 299 झुग्गी क्षेत्र दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड के अधीन आते हैं। यहां कोई काम नहीं किया गया है। निगम चुनाव खत्म होते के साथ ही ये काम अब हम (केंद्र) शुरू कर देंगे।

2040 में होगी 3 करोड़ आबादी

पुरी ने कहा कि फरवरी 2019 में लैंड पूलिंग योजना शुरू की गई थी। 7400 हेक्टेयर पर लैंड पुलिंग के प्रस्ताव आये हैं। इसको लेकर जरूरी संशोधन किया जाएगा। ग्रुप हाउसिंग सोसायटी 1970 में बनाई गई थी। तब दिल्ली की आबादी 1.67 करोड़ मानी गई थी। लेकिन अगली जनगणना में दिल्ली में 2 करोड़ से ज्यादा आबादी होगी। वहीं, 2040 के बाद आबाद बढ़कर करीब तीन करोड़ के आसपास पहुंच जाएगी।

बहराइच में बड़ा सड़क हादसा, ट्रक-रोडवेज बस की टक्कर में छह की मौत,15 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बहराइच में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में छह यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 15 यात्री घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संवेदनाएं व्यक्त की हैं। जानकारी के अनुसार, बहराइच-लखनऊ हाईवे पर बुधवार की सुबह जरवल रोड के घाघराघाट स्टेशन के पास जयपुर से बहराइच आ रही ईदगाह डिपो की बस ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का पीछे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई। वहीं 15 से ज्यादा लोग घायल हैं।

हादसे की सूचना पर पहुंची जरवल पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया। वहीं भीषण सड़क हादसे की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र, एसपी केशव कुमार चौधरी समेत आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

भीषण सड़क हादसे में ट्रक चालक समेत छह लोगों की मौत बताई जा रही है। वहीं इस हादसे में 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। जिनमें से आधा दर्जन की हालत गंभीर है। ऐसे में मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र का कहना है कि सुबह हृदय विदारक दुर्घटना हुई है। जिसमें जयपुर से आ रही ईदगाह डिपो की बस में सवार छह लोगों की मौत हो गई है। 15 लोग घायल हैं। पुलिस कर्मियों ने सभी का रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती करवाया है। सभी अधिकारियों को घायलों की हर संभव मदद के निर्देश दिए गए हैं।

तीन मृतकों की हुई पहचान

हादसे में अजीत विश्वास (27) पुत्र अतुल विश्वास निवासी वर्धमान पश्चिम बंगाल, विपिन शुक्ला (21) पुत्र अरुण शुक्ला निवासी मरौचा डोकरी थाना बौंडी, एहसान (18) पुत्र शफीक निवासी मकराना राजस्थान, हेलालुदीन (32) निवासी सोथा गोलघर थाना कोतवाली नगर जनपद बंदायू, अनूप विश्कर्मा (20) निवासी वार्ड नम्बर मुलावरी जिला डांग, नेपाल और छठे मृतक ट्रक चालक की पहचान नही हुई है।

ये यात्री गंभीर रूप से हुए घायल

हादसे में नेपाल निवासी शिवा (32), ओम प्रकाश (26) पुत्र नरेन्द्र कुमार निवासी सरडीहा थाना दरगाह शरीफ, कन्हई लाल (25) पुत्र इन्द्र प्रताप दहसरा थाना सोनवा जनपद श्रावस्ती, दुर्गा (32) पुत्र अमला निवासी सुरखैत नेपाल, प्रेम (48) पुत्र रतन सिंह निवासी नेपाल, विशाल (21) पुत्र मदन निवासी सुखैत नेपाल, शकुन्तला (38) पत्नी चन्द्र बहादुर दमई निवासी देवलखाडा नेपाल, अबरार (14) पुत्र मोहम्मद शफीक निवासी मकराना राजस्थान, छेपली (25) पुत्र शौकत अली निवासी मकराना, राम प्रकाश (39) पुत्र हरिश्चन्द्र निवासी चहलारी सीतापुर, धनीराम (45) पुत्र गोकुल कोमल बाजार नेपाल, करिश्मा पाण्डेय (32) पुत्री शिवकान्त निवासी रनिया कानपुर देहात, संदीप कुमार (26) पुत्र लक्ष्मीशंकर निवासी इटावा, अतुल विश्वास (45) पुत्र आदित्य निवासी कलकत्ता हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए।

एक ही चिता पर छह लोगों का अंतिम संस्कार देख रो पड़े लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फिरोजाबाद के कस्बा पाढ़म में मंगलवार की रात हुए अग्निकांड में एक ही परिवार के छह लोग जिंदा जल गए। मरने वालों में तीन बच्चे भी थे। इस अग्निकांड ने लोगों के दिल को झकझोर कर रख दिया। घटना के बाद से पाढ़म में मातम पसरा है। बुधवार की सुबह गमगीन माहौल में सभी शवों को अंतिम संस्कार किया गया। अंत्येष्टि स्थल पर एक ही चिता बनाई गई, जिस पर तीन माह की बच्ची समेत सभी छह मृतकों के शव रखे गए। मासूम के पिता नितिन ने मुखाग्नि दी तो उनके हाथ कांपने लगे। आंसुओं की धार बहने लगी। यह देख हर किसी की आंखें नम हो गईं।

पाढ़म निवासी रमन प्रकाश का बाजार में दो मंजिला घर है। मंगलवार रात को घर में शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई, जिससे रमन प्रकाश के पुत्र मनोज कुमार, पत्नी नीरज, पुत्र हर्ष और भारत, रमन प्रकाश के छोटे पुत्र नितिन की पत्नी शिवानी और तीन माह की पुत्री तेजस्वी की जलकर मौत हो गई थी। रमन प्रकाश और नितिन घर से बाहर गए थे। इससे इनकी जान बच गई।

आग लगने से परिवार के लोग पहली मंजिल पर फंस गए थे। इन्हें भागने तक का मौका नहीं मिला। रात करीब सवा 10 बजे तक एक-एक कर छह शव निकाले गए तो लोगों का कलेजा कांप गया। सभी शव बुरी तरह जल चुके थे। बुधवार की सुबह सभी शवों का एक ही चिता पर अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में आसपास के हजारों ग्रामीण शामिल हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर गहरा दुख जताया। पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। इसके साथ ही मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि दिए जाने के निर्देश दिए। पाढ़म में अग्निकांड के बाद बुधवार की सुबह कई घरों में चूल्हे तक नहीं जले। सुबह से बाजार बंद है। गलियों में मातम पसरा है।

आबकारी नीति घोटाला

ईडी ने अमित को किया गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति में कथित घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए व्यवसायी अमित अरोड़ा को गिरफ्तार किया है। अमित अरोड़ा बडी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हैं।

अधिकारियों ने बताया कि अरोड़ा को कल रात धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया। सूत्रों ने कहा कि उन्हें एक स्थानीय अदालत में पेश किए जाने की उम्मीद है जहां एजेंसी उनकी हिरासत की मांग करेगी। ईडी ने दावा किया है कि अमित अरोड़ा, दो अन्य आरोपी दिनेश अरोड़ा और अर्जुन पांडे, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के करीबी सहयोगी हैं। इन्होंने ही शराब लाइसेंसधारियों से मिले पैसों को छिपाया था। बताया जा रहा है कि अमित अरोड़ा वही कारोबारी है, जो भाजापा के स्टिंग में दिखाई दिया था। पिछले हफ्ते ईडी ने अमित ओरड़ा के ठिकानों पर छापमारी भी की थी।

स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल हो आपदा प्रबंधन : सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न आपदाओं से बचाव के लिए सतर्कता और जागरूकता को बढ़ाये जाने की जरूरत बताई है। आपदा प्रबंधन को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने पर बल देते हुए उन्होंने कहा है कि अगर लोगों को यह पता होगा कि बाढ़, भूकम्प, आकाशीय बिजली, अग्निकांड आदि के समय उन्हें कैसी सावधानियां बरतनी चाहिए तो निश्चित ही बड़ी जनहानि से बचा जा सकता है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित विभिन्न राज्यों के आपदा प्रबंधन प्रधिकरणों के इस दो दिनी तृतीय क्षेत्रीय सम्मेलन में आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने मिर्जापुर और सोनभद्र जैसे जिलों में आकाशीय बिजली से होने वाली जनहानि की जानकारी देते हुए इसे रोकने के लिए अलर्ट सिस्टम को और बेहतर करने की आवश्यकता भी जताई। मुख्यमंत्री ने आपदाओं की रोकथाम में आपदा मित्रों की भूमिका की सराहना करते हुए इस कार्य में ग्राम पंचायतों को जोड़ने और आपदा मित्रों की संख्या बढ़ाने पर भी बल दिया।

लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित सम्मेलन में असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, चंडीगढ़, मध्यप्रदेश राज्यों के प्रतिनिधि, आपदा प्रबंधन से जुड़ी विभिन्न एजेंसियों के प्रतिनिधि व विषय विशेषज्ञों की सहभागिता भी रही।

बीजेपी का मेगा रोड शो, प्रचार के लिए पार्टी ने उतारी स्टार प्रचारकों की फौज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी दिल्ली के विभिन्न इलाकों में विजय संकल्प रोड शो का आयोजन कर रही है। रोड शो में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, अनुराग ठाकुर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, पीयूष गोयल, भूपेन्द्र यादव के साथ-साथ सांसद डॉ. हर्षवर्धन, मीनाक्षी लेखी, समेत कई और दिग्गज पार्टी के पक्ष में प्रचार करेंगे।

दिल्ली एमसीडी चुनाव जीत के लिए बीजेपी जी जान से जुटी है। पार्टी जोर शोर से प्रचार अभियान कर रही है। इसी कड़ी में आज यानी बुधवार को बीजेपी के कई दिग्गज नेता दिल्ली के विभिन्न इलाकों में चुनाव प्रचार करेंगे। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में बीजेपी के स्टार प्रचारक विजय संकल्प रोड शो करेंगे।

बीजेपी दिल्ली के विभिन्न इलाकों में विजय संकल्प रोड शो का आयोजन कर रही है। रोड शो में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, अनुराग ठाकुर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, पीयूष गोयल, भूपेन्द्र यादव के साथ-साथ सांसद डॉ. हर्षवर्धन, मीनाक्षी लेखी, समेत कई और दिग्गज पार्टी के पक्ष में प्रचार करेंगे। बीजेपी के स्टार प्रचारक दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से रोड शो कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।